



मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR
(An Institute of National Importance)

MNIT NEWSLETTER



QUARTERLY
ISSUE MAY
2025



Follow us on



mnit.ac.in/about_us/newsletter



Library Events and Workshops

School Students' Visit Under Unnat Bharat Abhiyan

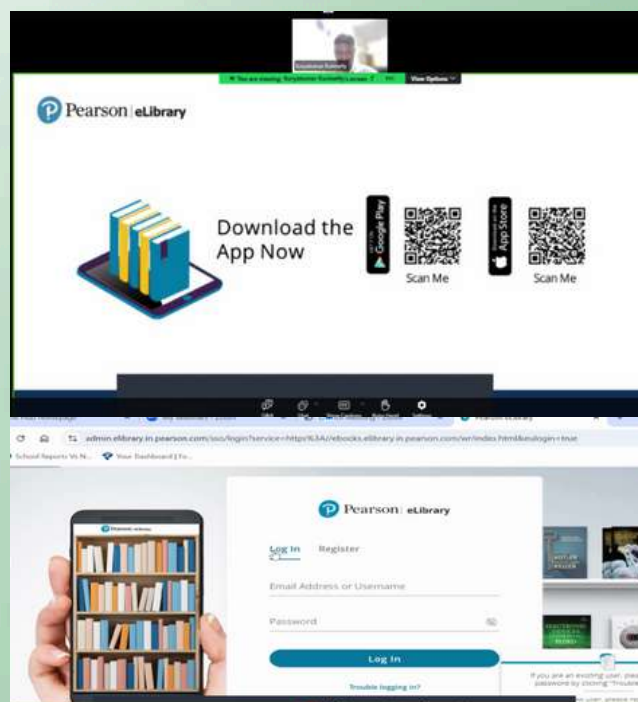
On **28 March 2025**, the Central Library had the privilege of hosting a group of **50 school students** from **Rajkiya Vidyalayas of Tamariya, Dhab Ka Nala, Pahariya, Bhoorthal, and Jirota**, accompanied by their teachers. The visit was organized under the **Unnat Bharat Abhiyan** initiative, aiming to provide young learners with exposure to advanced academic and technological environments. The session commenced with a warm welcome address by **Dr. Rishi Tiwari**, Librarian, who introduced the students to the wide range of resources and services available at the Central Library. The students were taken on a guided tour covering all major sections of the library. A highlight of the visit was the demonstration of the library's **RFID** system and smart circulation services. Students enthusiastically engaged with the staff, and their queries were addressed with detailed explanations. The visit left a lasting impression on the young visitors, inspiring curiosity and appreciation for academic resources.



Online User Awareness Session: Pearson e-Library Orientation

On **19 March 2025**, an online training session titled "**Pearson e-Library User Orientation**" was organized by **Pearson Indian Education Services Pvt. Ltd.** to raise awareness and facilitate effective utilization of digital learning resources. The session was conducted via the **Zoom platform** and was attended by undergraduate and postgraduate students, as well as research scholars from the institute.

Mr. Suryakumar Kunisetty from Pearson began the session with a brief introduction to the **Pearson e-Library platform**. This was followed by an interactive hands-on demonstration, guiding participants on how to access and navigate the e-resources effectively. The session proved to be highly beneficial in enhancing digital literacy among users and promoting independent learning through trusted academic content.





मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR
(An Institute of National Importance)

एमएनआईटी समाचार पत्रिका

मई संस्करण
2025





पुस्तकालय कार्यक्रम और कार्यशालाएँ

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों का भ्रमण

28 मार्च 2025 को, केंद्रीय पुस्तकालय को तमरिया, धब का नाला, पहाड़िया, भूरथल और जीरोता के राजकीय विद्यालयों के 50 स्कूली छात्रों के एक समूह की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिनके साथ उनके शिक्षक भी थे। यह भ्रमण उन्नत भारत अभियान पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य युवा विद्यार्थियों को उन्नत शैक्षणिक एवं तकनीकी परिवेश से परिचित कराना था। सत्र की शुरुआत डॉ. ऋषि तिवारी (पुस्तकालयाध्यक्ष) द्वारा सौहार्दपूर्ण स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने छात्रों को केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध विविध संसाधनों एवं सेवाओं से परिचित कराया। इसके पश्चात छात्रों को पुस्तकालय के प्रमुख अनुभागों का एक मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण लाइब्रेरी की आरएफआईडी प्रणाली और स्मार्ट सर्कुलेशन सेवाओं का प्रदर्शन था। छात्रों ने उत्साहपूर्वक स्टाफ से संवाद किया, और उनकी जिज्ञासाओं का विस्तृत एवं समर्पित उत्तरों के साथ समाधान किया गया। यह भ्रमण युवा आगंतुकों पर गहरा प्रभाव छोड़ गया, जिससे उनकी जिज्ञासा और शैक्षणिक संसाधनों के प्रति प्रशंसा बढ़ी।



ऑनलाइन उपयोगकर्ता जागरूकता सत्र: पियर्सन ई-लाइब्रेरी ओरिएंटेशन

19 मार्च 2025 को पियर्सन इंडियन एजुकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जागरूकता बढ़ाने और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए "पियर्सन ई-लाइब्रेरी यूजर ओरिएंटेशन" नामक एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। यह सत्र जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित किया गया था और इसमें संस्थान के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के साथ-साथ शोध विद्वानों ने भी भाग लिया था।

श्री सूर्यकुमार कुणिसेट्टी (पियर्सन) ने सत्र की शुरुआत पियर्सन ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म का संक्षिप्त परिचय देकर की। इसके बाद एक इंटरैक्टिव हैंड्स-ऑन डेमोंस्ट्रेशन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को ई-रिसोर्सेज तक पहुँचने और उन्हें प्रभावी ढंग से नेविगेट करने का मार्गदर्शन दिया गया। यह सत्र उपयोगकर्ताओं में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने और विश्वसनीय शैक्षणिक सामग्री के माध्यम से स्वतंत्र अध्ययन को प्रोत्साहित करने में अत्यंत लाभकारी साबित हुआ।

